पंजाब केसरी 17/02/2023

एन.ई.पी.-2020 की चुनौतियों और अवसरों के आलोक में प्रत्यायन विषय पर हुई संगोष्ठी

नई शिक्षा नीति के बारे में बताते मुख्य वक्ता व कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी। (चंदमोहन)

अम्बाला छावनी, 16 फरवरी (कोचर): कैंट के जी.एम.एन. कालेज में प्रबंधन समिति के प्रधान डा. गुरुदेव सिंह की अध्यक्षता और प्राचार्य डा. रोहित दत्त सहित आई.क्यू.ए.सी. की संयोजक डा. शिखा जग्गी के नेतृत्व में नैक बैंगलौर के तत्वावधान में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का वीरवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित कर हुआ।

इस मौके पर कालेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि उनका लक्ष्य कालेज को सी.जी.पी.ए. 3.56 से 3.76 को प्राप्त करना है। इसके लिए हम ऐसी नीतियों का निर्माण कर रहे हैं जो इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारे लिए सहायक होगा और जी.एम.एन. कालेज भविष्य में एक नए क्षितिज पर स्थापित होगा।

इसके उपरांत संगोष्ठी संयोजिका डा. शिखा जग्गी ने 2 दिवसीय संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस संगोष्ठी में बीच वक्ता के रूप में डा. कृष्ण कांत, प्राचार्य बल्लभगढ़ कालेज ने अपने विचारो को व्यापक रूप में सांझा करते हुए कहा की जी.एम.एन कालेज नैक द्वारा प्रदान ए डबल प्लस ग्रेड के साथ देश के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में से एक है।

उन्होंने वर्तमान समय में उद्घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कार्यशैली स्वरूप एवं परिणामों पर सार्थक उदाहरणों से प्रस्तुति प्रस्तुत की और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इसी श्रृंखला में संगोष्ठी के मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र से इंजीनीयरिंग एवं तकनीकी संकाय के डीन डा. अनिल कुमार वोहरा रहे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीच्यूट ऑफ इंटेग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीस में प्रारंभ किया गया है जिसकी मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

इस मौके पर महाविद्यालय के एकैडमिक अफेयर्स निदेशक डा. वी.के. जैन और संगोष्ठी की संयोजक समिति के सदस्य डा. कुलदीप यादव, डा. रवनीत कौर, श्याम रहेजा, डा. राकेश कुमार, डा. एस.के. पांडे, डा. मीनू राठी, डा. तृप्ति शर्मा, डा. चंद्रपाल पूनिया सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।